This Question Paper consists of 35 questions and 6 printed pages.
अस्मिन् प्रश्नपत्रे 35 प्रश्नाः एवम् 6 मुद्रित पृष्ठाः सन्ति।
इस प्रश्नपत्र में 35 प्रश्न तथा 6 मुद्रित पृष्ठ हैं।

Roll No.
अनुक्रमाङ्क :

Code No.
गूढसंख्या **64/SS/O**

SET **A**

VEDA ADHYAYAN

वेदाध्ययनम्

(345)

Day and Date of Examination :

(परीक्षादिवसः दिनाङ्कश्च) _____
(परीक्षा दिन और तिथि)

Signature of Invigilators :

(निरीक्षकयोः हस्ताक्षरम्) 1. _____
(निरीक्षक के हस्ताक्षर)

2. _____

सामान्या निर्देशा/सामान्य निर्देश :

1. अनुक्रमाङ्कः प्रश्नपत्रस्य प्रथमपृष्ठे नूनं लेख्यः।
   प्रश्नपत्र के प्रथम भाग में लेखनीय कम हैं।
2. निरीक्ष्यतां यत् प्रश्नपत्रस्य पृष्ठसंख्या प्रश्नानां संख्या च प्रथमपृष्ठस्य प्रारम्भे प्रदत्तसंख्या समाना न वा। प्रश्नक्रमः सम्यग् न वा।
   प्रश्नपत्र के प्रश्नों की संख्या प्रारम्भ में दी गई संख्या के समान है या नहीं, ठीक है या नहीं, यह देखने योग्य है।
3. वस्तुनिष्ठप्रश्नानाम् (क), (ख), (ग), (घ) एषु विकल्पेषु युक्तम् उत्तरं चित्वा उत्तरपत्रे लेख्यम्।
   वस्तुनिष्ठ प्रश्न (क), (ख), (ग), (घ) इन विकल्पों में उचित उत्तर चुनकर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए।
4. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि निर्धारितसमये एव लेख्यानि।
   सभी प्रश्नों के उत्तर निर्धारित समय में ही लिखें।
5. उत्तरपत्रे आत्मपरिचयात्मकं लेखनम् अथवा निर्दिष्टस्थानं विहाय अन्यत्र क्वापि अनुक्रमाङ्कलेखनं सर्वथा वर्जितमस्ति।
   उत्तर-पुस्तिका में अपना परिचय देते हुए या निर्दिष्ट स्थान को छोड़कर और कहीं भी अपना रोल न. न लिखें।
6. स्वस्य उत्तरपत्रे प्रश्नपत्रस्य गूढसंख्या **64/SS/O-A** नूनं लेख्या।
   अपनी उत्तर-पुस्तिका पर प्रश्न-पत्र की कोड संख्या **64/SS/O-A** लिखें।
7. समेषां प्रश्नानाम् उत्तराणि संस्कृतभाषया एव लेख्यानि।
   सभी प्रश्नों के उत्तर केवल संस्कृत भाषा में ही लिखें।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

VEDA ADHYAYAN

वेदाध्ययनम्

(345)

परीक्षासमयावधिः (Time) : होरात्रयम् (3 Hrs)] **[पूर्णाङ्काः (Full Marks) : 100**

निर्देशाः (i) अस्मिन् प्रश्नपत्रे **[A]** भागे **10, [B]** भागे **10, [C]** भागे **10, [D]** भागे **5** इति आहत्य **35** प्रश्नाः सन्ति।
इस पत्र में **[A]** भाग में **10, [B]** भाग में **10, [C]** भाग में **10** व, **[D]** भाग में **5** कुल मिलाकर **35** प्रश्न है।

(ii) प्रश्नस्य दक्षिणे पार्श्वे संख्यासु (अङ्काः × प्रश्नाः = पूर्णाङ्काः) इति एवम् अङ्कान् निर्दिशति।
प्रश्न के दाहिने तरफ संख्या का निर्देश है।

(iii) **सर्वे** प्रश्नाः **अनिवार्याः**।
सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

(A) दशानां युक्तं विकल्पं चिनुत। **10x1=10**
दस के उचित विकल्प चुनिए :

1. ऋग्वेदे कति अध्यायाः सन्ति।
(क) 60 (ख) 64
(ग) 68 (घ) 72
ऋग्वेद में कितने अध्याय हैं?
(क) 60 (ख) 64
(ग) 68 (घ) 72

2. ज्ञानाग्रेः प्रज्वलनं भवति।
(क) कर्मणा (ख) मेधया
(ग) श्रद्धया (घ) विनयेन
ज्ञान की अग्नि प्रज्वलित होती है :
(क) कर्म से (ख) बुद्धि से
(ग) श्रद्धा से (घ) नम्रता से

3. साम इत्यत्र सा नाम किम्।
(क) ऋक् (ख) साम
(ग) यजुः (घ) अथर्वः
साम शब्द में सा नाम क्या है?
(क) ऋक् (ख) साम
(ग) यजु (घ) अथर्व

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

4. राणायनीयशाखा कस्य वेदस्य।

(क) ऋग्वेदस्य (ख) सामवेदस्य

(ग) यजुर्वेदस्य (घ) अथर्ववेदस्य

राणायनीय शाखा किस वेद की है?

(क) ऋग्वेद की (ख) सामवेद की

(ग) यजुर्वेद की (घ) अथर्ववेद की

5. दोषावस्तः इत्यस्यार्थः को भवति।

(क) रात्रौ अहनि च (ख) दिवसे दिवसे

(ग) संवत्सरे (घ) पक्षत्रये

दोषावस्तः इसका क्या अर्थ है?

(क) रात में दिन में (ख) दिन दिन में

(ग) साल में (घ) तीन पक्ष में

6. सृष्ट्यादौ कस्य आविर्भावो जातः।

(क) सूर्यस्य (ख) अग्नेः

(ग) वायोः (घ) हिरण्यगर्भस्य

सृष्टि के प्रारम्भ में किसकी उत्पत्ति हुई?

(क) सूर्य की (सोने का पिण्ड) (ख) अग्नि की

(ग) वायु की (घ) हिरण्यगर्भ की

7. अक्षैर्मा _____ कृषिमित् कृषस्व।

(क) दीव्यः (ख) कुरुत

(ग) गच्छत (घ) रमत

अक्षैर्मा _____ कृषिमित् कृषस्व।

(जुआँ मत खेलो _____ कृषि करो।)

(क) खेलो (ख) करो

(ग) जाओ (घ) रमण करो

8. मनुमत्स्यकथा प्राप्यते।

(क) तैत्तिरीयब्राह्मणे (ख) शतपथब्राह्मणे

(ग) गोपथब्राह्मणे (घ) सामविधानब्राह्मणे

मनुमत्स्य कथा मिलती है :

(क) तैत्तिरीय ब्राह्मण में (ख) शतपथ ब्राह्मण में

(ग) गोपथ ब्राह्मण में (घ) सामविधान ब्राह्मण में

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

9. हि च इति कीदृशं सूत्रं भवति।

(क) विधिसूत्रम् (ख) परिभाषासूत्रम्

(ग) संज्ञासूत्रम् (घ) अधिकारसूत्रम्

हि च यह कैसा सूत्र है?

(क) विधि सूत्र (ख) परिभाषा सूत्र

(ग) संज्ञा सूत्र (घ) अधिकार सूत्र

10. बहुव्रीहौ संज्ञायाम् विश्वशब्दो भवति।

(क) आद्युदात्तः (ख) अन्तोदात्तः

(ग) सर्वानुदात्तः (घ) सर्वोदात्तः

बहुव्रीहि में, संज्ञा में विश्व शब्द होता है :

(क) आदि उदात्त (ख) अन्त में उदात्त

(ग) सब जगह अनुदात्त (घ) सभी में उदात्त

(B) दशानां यथानिर्देशम् उत्तराणि लघूनि लिखत। **10x2=20**

दस के यथानिर्दिष्ट लघु उत्तर लिखिए :

1. यज्ञे कति ऋत्विजो भवन्ति, के च ते?
यज्ञ में कितने ऋत्विज होते है? वे कौन-कौन से हैं?

2. किं नाम ऋषिसूक्तम्? किं च छन्दः सूक्तम्?
ऋषि सूक्त का क्या नाम है? छन्द सूक्त क्या है?

3. सामगानस्य कति विभागा भवन्ति? के च ते?
सामगान के कितने विभाग हैं? वे कौन-कौन से हैं?

4. ब्राह्मणः कदा अग्न्याधानं करोति? वैश्यस्य अग्न्याधानं कदा भवति?
ब्राह्मण कब अग्नि स्थापित करता है? वैश्य का अग्नि स्थापन कब होता है?

5. विष्णुसूक्तस्य कः ऋषिः? का च देवता?
विष्णु सूक्त का कौन ऋषि है? और कौन देवता है?

6. षाष्ठिकमामन्त्रितसूत्रं किं ज्ञापयति? उदाहरणं किम्?
षाष्ठि का मामन्त्रित सूत्र क्या बताता है? उसका उदाहरण दीजिए।

7. ईले इत्यत्र केन सूत्रेण कः स्वरो विधीयते?
ईले इस शब्द में किस सूत्र के द्वारा किस स्वर का बोध होता है (नियामन) (प्रयोग)।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

8. आद्युदात्तश्च इति सूत्रस्य अर्थमुदाहरणं च लिखत।
''आद्युदात्तश्च'' इस सूत्र का अर्थ और उदाहरण लिखिए।

9. भुवनपतिः इत्यत्र कः स्वरो विधीयते?
भुवनपतिः यहाँ किस स्वर का विधान है? (प्रयोग)

10. बह्वन्यतरस्याम् इति सूत्रं कीदृशम्? उदाहरणं किम्?
''बह्वन्यारस्याम्'' यह कैसा सूत्र है? इसका क्या उदाहरण है?

(C) दश अनतिदीर्घोत्तरैः समाधत्त। **10x4=40**

दस के लघु उत्तर दीजिए :

1. लौकिकसूक्तं नाम किम्? उदाहरणपूर्वकं व्याख्यायताम्।
लौकिक सूक्त क्या है? उदाहरण पूर्वक व्याख्या कीजिए।

2. व्याकरणाध्ययनस्य कानि प्रयोजनानि?
व्याकरण अध्ययन का क्या प्रयोजन है?

3. प्रदत्तयोः काचिदेका टीका लेख्या – बृहदारण्यकम्, तैत्तिरीयारण्यकम् ।
दिये गये विषयों में से एक पर टीका लिखिए :
बृहदारण्यक, तैत्तिरीय आरण्यक

4. अक्षमाहात्म्यं मन्त्रोल्लेखपूर्वकं कुरुत।
अक्ष की महत्ता पर मन्त्र के उल्लेख के साथ प्रकाश डालिए।

5. पृथिव्याः माहात्म्यम् अथवा पृथिव्याः सौन्दर्यं सूक्तानुसारं प्रतिपादयत।
पृथ्वी की महत्ता या पृथ्वी का सौन्दर्य सूक्त के अनुसार प्रतिपादित कीजिए।

6. शिवसंकल्पमस्तु – इत्यस्य सूक्तानुसारं तात्पर्य्यं प्रतिपाद्यताम्।
'शिवसंकल्पमस्तु' – इस का सूक्त के अनुसार तात्पर्य दर्शित कीजिए।

7. प्रातिपदिकस्वरस्य विधायकं सूत्रं लिखित्वा तस्य व्याख्यानं कुरुत।
प्रातिपदिक स्वर के विधायक सूत्र लिखकर उसकी व्याख्या कीजिए।

8. निपातस्वरविधायकं सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात।
निपात स्वर विधायक सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

9. अक्षस्यादेवनस्य इति सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात।
''अक्षस्यादेवनस्य'' इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

10. तत्पुरुषस्य प्रकृतिस्वरः कदा विधीयते? सूत्रं प्रत्येकमुदाहरणं च दीयताम्।
तत्पुरुष के प्रकृति स्वर का विधान (प्रयोग) कब होता है? सूत्र तथा प्रत्येक उदाहरण दीजिए।

Unnati Educations
9899436384, 9654279279

(D) **पञ्च दीर्घोत्तरैः समाधेयाः।** **5x6=30**

पाँच के दीर्घ उत्तर दीजिए :

1. सामगानस्य सामान्यपरिचयः प्रदीयताम्।
   सामगान का सामान्य परिचय दीजिए।

2. अग्निनारयिमश्नवत् इत्यस्य मन्त्रस्य पदपाठं स्वरसाधनं च कुरुत।
   ''अग्निनारयिमश्नवत्'' इस मन्त्र का पदपाठ और स्वरसाधन कीजिए।

3. रुद्रदेवस्य स्वरूपं समासेन वर्णयत।
   रुद्रदेव के स्वरूप का वर्णन संक्षेप में कीजिए।

4. एवादीनामन्तः इति सूत्रस्य सोदाहरणं विश्लेषणं कुरुत।
   'एवादीनामन्तः' इस सूत्र का उदाहरण सहित विश्लेषण कीजिए।

5. च-प्रभृतीनां निपातानां स्वरविधायकं सूत्रं सोदाहरणं व्याख्यात।
   'च प्रभृतीनां निपातानां' इस स्वर विधायक सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

- o O o -

Unnati Educations
9899436384, 9654279279